जालंधर, रविवार 5 मई 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार
जिंदगी में गुलाब की तरह खिलना है तो कांटों से तालमेल तो बनाना ही पड़ेगा।

@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news www.vandebharat24.com

कांग्रेस पर भड़की कर्मजीत कौर चौधरी

कहा- कांग्रेस अब कॉरपोरेट हो गई, सेवा के बदले अनादर मिला

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : जालंधर के कट्टर टकसाली कांग्रेसी चौधरी परिवार ने भाजपा में आने के बाद शनिवार को पहली बार मीडिया से बात की। पूर्व सांसद स्व. संतोख सिंह चौधरी की पत्नी कर्मजीत कौर चौधरी ने कहा कि कांग्रेस अब कारपोरेट हो गई है जहां किसी का भी अपमान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि पंजाब कांग्रेस की लीडरशिप ने मेरे बेटे और पति का अपमान किया। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने मेरे बेटे को परिवार का आखिरी चिराग बताया। अब मैं कैसे कांग्रेस के साथ चल सकती थी। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में आज भी नहीं भूली हूं जिसमें मेरे पति ने कांग्रेस के लिए शहादत दी है। मगर कांग्रेस ने उसका भी ध्यान नहीं रखा और हमें दरकिनार कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार ने कांग्रेस को 100 साल दिए हैं। अब यहां अपनों को नहीं बाहर से आए लोगों को टिकट और सम्मान मिल रहा है। जो टकसाली पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं, उन्हें दरकिनार किया जा रहा है। मेरे परिवार की तीसरी पीढ़ी विधानसभा में है। पंजाब कांग्रेस के बड़े नेता मेरे बेटे को टारगेट कर रहे हैं जो खुद की सीट नहीं बचा पाए थे। यहां तक मेरे बेटे को दुर्योधन कहा गया।

चन्नी पर निशाना साधते हुए कर्मजीत कौर चौधरी ने कहा कि, चन्नी जहां गए, वहीं पर बर्बादी हो गई। उप चुनाव में मुझे हार का सामान करना पड़ा, मगर नेताओं ने हाईकमान से कहा कि चौधरी परिवार को तो सहानुभूति वोट भी नहीं मिले। कर्मजीत कौर चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ने मेरे परिवार का जो अपमान किया गया, उसे सभी ने देखा। भाजपा ने हमें अपने परिवार में शामिल किया और इज्जत दी मैं हमेशा बीजेपी के लिए काम करूंगी। मेरे परिवार ने कांग्रेस का हिस्सा होते हुए उन्हें करीब 18 बार जीत दिलाई है।

फगवाड़ा में यूनिवर्सिटी के बाहर गोलीबारी

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में विवाद, एक को गोली लगी, 3 के सिर फटे

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब के जालंधर-लुधियाना हाईवे पर फगवाड़ा के पास स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के लॉ-गेट के बाहर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया था कि एक पक्ष ने ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दीं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर विवाद बढ़ाने के आरोप लगाए हैं। मामले की सूचना मिलते ही थाना सतनामपुरा की पुलिस मौके पर जांच के लिए पहुंची।

घटना में जख्मी हुए सत्यम में बताया कि वह अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी से फ्री होकर ग्रीन वैली एरिया में गली के बाहर खड़ा था। इस दौरान 3 बाइकों पर सवार होकर कुछ युवक आए और उन्होंने झगड़ा शुरू कर दिया। इसके बाद मनी नामक युवक ने गोलियां चला दी ।घटना में जख्मी युवक को फगवाड़ा के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं, दूसरे पक्ष के आदर्श त्रिपाठी ने कहा- सत्यम ने साथियों के साथ मिलकर हम पर हमला किया। वारदात के पीछे की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

एसपी फगवाड़ा रुपिंदर कौर ने कहा- केस में करीब सात से आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस मामले में हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

त्रिपाठी बोले- दोस्त को छुड़ाने गया तो मेरे साथ की गई मारपीट : दूसरे पक्ष के आदर्श त्रिपाठी ने कहा- सत्यम ने अपने साथियों के साथ मिलकर हम पर हमला किया। सत्यम के साथियों ने बैल्टों और कड़े से हम पर कई वार किए। हमारी कोई पुरानी रंजिश नहीं थी। मेरे दोस्त का विवाद पहले सत्यम के साथ हुआ था। जब रात में मैं अपने दोस्त को लेने के लिए पहुंचा तो वहां पर सत्यम और उसके साथी मेरे दोस्त से मारपीट कर रहे थे ।जब वह छुड़वाने के लिए आगे बढ़ा तो आरोपियों ने हमला कर दिया। त्रिपाठी ने कहा- मैं जब इलाज के लिए फगवाड़ा के सिविल अस्पताल पहुंचा तो सत्यम के साथियों ने उस पर अस्पताल के गेट पर भी हमला किया।

बाजू पर लगी गोली, पेट से छूकर निकली

जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार देर रात करीब ढ़ाई बजे हुई। सत्यम की बाजू पर गोली लगी थी, जोकि आर-पार हो गई। वहीं, दूसरी गोली सत्यम के पेट को छूकर निकल गई। फगवाड़ा के सरकारी अस्पताल से युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जालंधर रेफर कर दिया गया।

सत्यम ने आरोप लगाया है कि मनी कुछ दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था ।उसके खिलाफ पहले भी कई केस दर्ज हैं। कपूरथला जेल में वह सजा काट रहा था। वहीं, दूसरे पक्ष ने कहा कि उन पर लगे सभी आरोप गलत हैं। उल्टा उन पर हमला किया गया था। पुलिस जल्द मामले की जांच के बाद अगली कार्रवाई करेगी।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24 भारत के मन की बात
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

दिल्ली में 4 बार के विधायक, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष...
जानें अरविंदर सिंह लवली ने दूसरी बार क्यों थामा 'कमल'

जालंधर (काजल विज) : दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंदर सिंह लवली शनिवार को बीजेपी में शामिल हो गए. उन्होंने जब बीते दिनों पद से इस्तीफा दिया था तब से उनके पार्टी छोड़ने के कयास लग रहे थे. अटकलें थीं कि उनका अगला कदम क्या होगा, हालांकि उन्होंने तब कहीं जाने से इनकार किया था, लेकिन उन्होंने शनिवार को बीजेपी का दामन थाम लिया है. बता दें कि वह पहले भी बीजेपी में रह चुके हैं और इसे छोड़कर कांग्रेस में जा चुके हैं.

क्या बोले अरविंदर सिंह लवली?

शनिवार को अरविंदर सिंह लवली ने बीजेपी में शामिल होने के बाद कहा कि पीएम मोदी, नड्डा और अमित शाह का धन्यवाद. जब हम खोए-खोए घूम रहे थे, उस समय इन्होंने मौका दिया है. हम आज पांच वरिष्ठ लोग आए हैं, लेकिन बहुत लोग हैं जो चाहते हैं कि देश को सशक्त सरकार मिले. देश के विकास में पीएम के हाथ को मजबूत करना चाहते हैं.

हम आज पांच वरिष्ठ साथी शामिल हुए हैं. बड़ा लंबा काफिला है जो चाहता है कि देश में सशक्त सरकार बने. मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में भी बीजेपी का परचम फहरेगा.

1998 में गांधीनगर सीट से चुने गए विधायक

अरविंदर सिंह लवली के पॉलिटिकल करियर की बात करें तो वह कांग्रेस की दिल्ली इकाई में सबसे खास नामों में से एक रहे हैं. एक दौर में अरविंदर सिंह लवली सबसे कम उम्र के विधायक थे, जब वह पहली बार 1998 में गांधी नगर सीट से दिल्ली विधानसभा के लिए चुने गए थे. वह साल 2015 तक इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे. लवली ने दिल्ली में शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली सरकारों में शहरी विकास और राजस्व मंत्रालय, शिक्षा और परिवहन जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग संभाले.

लोकसभा चुनाव में गौतम गंभीर से मिली थी शिकस्त

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, लवली ने क्रिकेटर से राजनेता बने गौतम गंभीर (भारतीय जनता पार्टी) और आतिशी (आम आदमी पार्टी) के खिलाफ पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन इस चुनाव में वह गौतम गंभीर से से हार गए थे.

छात्र राजनीति से हुई पॉलिटिकल करियर की शुरुआत

दिल्ली में जन्मे और पले-बढ़े लवली ने दिल्ली विश्वविद्यालय के एसजीटीबी खालसा कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की. वह अपने कॉलेज के दौरान छात्र राजनीति में एक्टिव थे. बाद में, 1990 में, उन्हें दिल्ली युवा कांग्रेस में बतौर महासचिव चुना गया, और फिर 1992 से 1996 तक नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के महासचिव के रूप में भी कार्य किया.

30 साल कांग्रेस से जुड़े रहे लवली

लवली करीब 30 साल से कांग्रेस से जुड़े हुए रहे. वह 2017 में भी कांग्रेस से हाथ छुड़ा चुके हैं और उस दौरान अप्रैल 2017 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन कुछ महीनों के बाद ही उन्होंने कांग्रेस में वापसी कर ली थी. तब उन्होंने कहा था कि, वह भाजपा में %वैचारिक रूप से अनुपयुक्त% हैं. 2020 के दिल्ली चुनाव में, कांग्रेस ने अरविंदर सिंह लवली को उनके विधानसभा क्षेत्र गांधी नगर से मैदान में उतारा था, जहां उनका मुकाबला भाजपा के नवीन चौधरी (दीपू) और आप के मौजूदा विधायक अनिल बाजपेयी से हुआ था.

राहुल गांधी के बिगड़े बोल!
हिंदुओं के धार्मिक अनुष्ठानों का उड़ाया मजाक, बोले- पीएम मोदी की द्वारका पूजा नाटक

जालंधर (काजल विज) : इस समय देश में लोकसभा चुनाव 2024 के कारण नेताओं की ताबड़तोड़ रैली हो रही है। इन रैलियों में रोजाना किसी न किसी नेता की आपत्तिजनक बयान देखने को मिल रही है।इसी कड़ी में राहुल गांधी ने पुणे में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस रैली की एक क्लिप अब तेजी से वायरल हो रही है जिसमें उनके बयान से सोशल मीडिया पर हंगामा हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए हिंदू धर्म पर एक बार फिर सवाल उठाया। कांग्रेस नेता ने धार्मिक अनुष्ठानों पर सवाल उठाया और कहा, पीएम की हालिया द्वारका पूजा को महज 'नाटक' करार दिया।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर नाटक करने का आरोप लगाया। और जनता को भ्रमित करने का भी आरोप लगाया। इसके अलावा रैली में कांग्रेस नेता ने मौजूदा इंडिया ब्लॉक के वादों को उजागर करने का काम किया। न्होंने आरक्षण के लिए 50त्न कोटा सीमा को खत्म करने, मराठा और धनगर जैसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉक की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। राहुल गांधी ने व्यापक जाति और आर्थिक सर्वेक्षण आयोजित करने सहित इंडिया ब्लॉक के घोषणापत्र वादों पर प्रकाश डाला।

राहुल गांधी ने आरक्षण प्रणाली पर स्पष्ट चर्चा का आग्रह करते हुए पीएम मोदी से मौजूदा 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को हटाने के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया। उन्होंने भाजपा पर संवैधानिक रूप से अनिवार्य आरक्षण प्रणाली को कमजोर करने के इरादे रखने का आरोप लगाया और ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करने की कसम खाई। कांग्रेस नेता की टिप्पणियाँ राजनीति में धार्मिक प्रतीकवाद की प्रभावकारिता के इर्द-गिर्द चल रही एक कथा को दर्शाती हैं, जो सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने के उद्देश्य से ठोस नीति प्रस्तावों के साथ मेल खाती है।

बेटे करन को लोकसभा टिकट मिलने पर बृजभूषण ने 700 एसयूवी और 10,000 समर्थकों के साथ कैसरगंज में शक्ति प्रदर्शन किया

जालंधर (जसवीर) : यौन उत्पीड़न के आरोपों से दूर, बृज भूषण शरण सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की ओर से लोकसभा चुनाव के लिए अपने बेटे के नामांकन से पहले उत्तर प्रदेश के कैसरगंज में दबाब प्रदर्शन (शक्ति प्रदर्शन) कार्यक्रम का आयोजन किया। रैली मैदान में 500-700 एसयूवी खड़ी थीं और नामांकन सभा में 10,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें विधायक, एमएलसी, जिला पंचायत प्रमुख, आसपास के जिलों के भाजपा के स्थानीय नेतृत्व और मंच पर अयोध्या के प्रमुख अखाड़ों के धार्मिक नेता शामिल थे।

पीला कुर्ता, नारंगी दुपट्टा और धोती पहने बृजभूषण उत्साहित कार्यकर्ताओं के बीच हाथ में माइक्रोफोन लेकर व्यवस्था संभाल रहे थे। वह एक राजा की तरह मंच के बीच में एक सोफे पर बैठे, जबकि अन्य लोगों को नियमित कुर्सियों से काम चलाना पड़ा। हालाँकि, बृज भूषण ने जानबूझकर ध्यान का केंद्र नहीं बनने की कोशिश की और पूरे कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य या उनके बेटे के पास नहीं गए और खुद को गणमान्य व्यक्तियों और धार्मिक नेताओं की सेवा में व्यस्त रखा। वह अपने बेटे का नामांकन दाखिल करने भी नहीं गये.

पांच लोगों को जाने की इजाजत थी. इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं यहां व्यवस्था देख रहा था जबकि अन्य लोग नामांकन दाखिल करने के लिए गए हुए हैं। मैं आमतौर पर खुद को लाइमलाइट से दूर रखता हूं। मैं व्यवस्थाओं पर ध्यान देता हूं. ऐसा करने का कहीं से कोई निर्देश नहीं था; यह मेरा नियमित अभ्यास है।

छह बार सांसद रहे बृजभूषण को उन पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जिसके बाद देश के कुछ शीर्ष पहलवान सड़कों पर उतर आए। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ने आरोपों से इनकार किया है. भाजपा के प्रतिद्वंद्वी यह तर्क देते हुए पार्टी पर हमला कर रहे थे कि जब वह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कहती है, तो वह बृज भूषण जैसे लोगों को चुनाव टिकट देती है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने मुझसे संपर्क किया और मुझसे पार्टी में शामिल होने के लिए कहा, उन्होंने कहा कि वे सहयोगी समाजवादी पार्टी से एक सीट लेंगे और मैं चुनाव लड़ सकता हूं, और वहां लड़ूंगा। आस-पास की सीटों पर भी पड़ेगा असर मैं ये बात पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं.

यौन उत्पीड़न के आरोपों से दूर, बृज भूषण शरण सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की ओर से लोकसभा चुनाव के लिए अपने बेटे के नामांकन से पहले उत्तर प्रदेश के कैसरगंज में दबाब प्रदर्शन (शक्ति प्रदर्शन) कार्यक्रम का आयोजन किया। रैली मैदान में 500-700 एसयूवी खड़ी थीं और नामांकन सभा में 10,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें विधायक, एमएलसी, जिला पंचायत प्रमुख, आसपास के जिलों के भाजपा के स्थानीय नेतृत्व और मंच पर अयोध्या के प्रमुख अखाड़ों के धार्मिक नेता शामिल थे।

पीला कुर्ता, नारंगी दुपट्टा और धोती पहने बृजभूषण उत्साहित कार्यकर्ताओं के बीच हाथ में माइक्रोफोन लेकर व्यवस्था संभाल रहे थे। वह एक राजा की तरह मंच के बीच में एक सोफे पर बैठे, जबकि अन्य लोगों को नियमित कुर्सियों से काम चलाना पड़ा। हालाँकि, बृज भूषण ने जानबूझकर ध्यान का केंद्र नहीं बनने की कोशिश की और पूरे कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य या उनके बेटे के पास नहीं गए और खुद को गणमान्य व्यक्तियों और धार्मिक नेताओं की सेवा में व्यस्त रखा। वह अपने बेटे का नामांकन दाखिल करने भी नहीं गये. पांच लोगों को जाने की इजाजत थी. इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं यहां व्यवस्था देख रहा था जबकि अन्य लोग नामांकन दाखिल करने के लिए गए हुए हैं। मैं आमतौर पर खुद को लाइमलाइट से दूर रखता हूं। मैं व्यवस्थाओं पर ध्यान देता हूं. ऐसा करने का कहीं से कोई निर्देश नहीं था; यह मेरा नियमित अभ्यास है। छह बार सांसद रहे बृजभूषण को उन पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जिसके बाद देश के कुछ शीर्ष पहलवान सड़कों पर उतर आए।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

पंजाब में बीजेपी नेता का विरोध कर रहे किसान की मौत

धक्का-मुक्की में हुआ बड़ा हादसा

जालंधर (नितिका) : कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का हाथ थामने वाली लोकसभा उम्मीदवार परनीत कौर पटियाला से चुनावी मैदान में हैं। हालांकि परनीत के संसदीय क्षेत्र में ही उनके खिलाफ बढ़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें एक किसान की मौत हो गई और दो किसान बुरी तरह से घायल हैं।

पंजाब के पटियाला में भड़की इस हिंसा का वीडियो डराने वाला है। जिसमें कई किसान केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते नजर आ रहे हैं। ये वीडियों पटियाला के सेहरा गांव का है। जहां किसानों ने अचानक से नारेबाजी शुरू कर दी और धक्का मुक्की होने लगी।

एक किसान की मौत

दरअसल परनीत कौर सेहरा गांव में चुनावी जनसभा करने पहुंची थी। मगर उन्हें देखते ही कुछ किसानों ने विरोध करना शुरू कर दिया। वहीं किसानों के बीच हिंसक झड़प शुरु हो गई। ऐसे में धक्का मुक्की के दौरान सुरिया किसान अचानक से जमीन पर गिर गया और उसकी मौत हो गई। इस दौरान दो और किसान घायल हो गए हैं।

पंजाब पुलिस ने काबू की परिस्थिति

खबरों की मानें तो पंजाब पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण कर लिया है। वहीं विरोध प्रदर्शन में जान गंवाने वाले किसान सुरिंदरपल के शव को राजपुरा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका पास्टमार्टम होगा। हालांकि विरोध प्रदर्शन के पीले का कारण अभी सामने नहीं आया है। मगर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर 1999 से 2009 तक पटियाला लोकसभा सीट से कांग्रेस पार्टी की सांसद रही है।

2019 में परनीत ने फिर इसी सीट से जीत हासिल की। हालांकि इसी साल मार्च महीने में परनीता कौर कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गईं। बीजेपी ने परनीत कौर को पटियाला से अपना लोकसभा उम्मीदवार बनाया। वहीं कांग्रेस ने धर्मवीर गांधी और आम आद?मी पार्टी ने बलबीर सिंह को प्रत्याशी घोषित किया है।

पंजाब में जून को आखिरी चरण में सभी सीटों पर मतदान होंगे।

पहले रायबरेली जीत लो, फिर शतरंज खेलना

रूसी ग्रैंडमास्टर गैरी कास्परोव का राहुल गांधी पर तंज

जालंधर (संदीप मान) : शतरंज विश्व चैंपियन गैरी कास्प्रोव ने रायबरेली और वायनाड सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष किया है। रूसी ग्रैंडमास्टर ने कहा, 'शतरंज का चैंपियन बनने से पहले आपको अपनी रायबरेली तरंज सीट से जीतना चाहिए। शुक्रवार की रात कास्प्रोव की पोस्ट एक ट्वीट के जवाब में आया, जिसमें यूजर ने लिखा था, यह राहत की बात है कि रूसी ग्रेडमास्टर कास्परोव और शतरंज के विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद जल्दी रिटायर हो गए और उन्हें हमारे समय की सबसे बड़ी शतरंज प्रतिभा का सामना नहीं करना पड़ा। इस पोस्ट में राहुल गांधी की शतरंज खेलते हुए एक तस्वीर भी पोस्ट की गई थी।

इस पर कास्पारांव ने भी जवाब दिया। उन्होंने लिखा, यह परंपरा रही है कि चुनोती देने से पहले आपको पहले रायबरेली से जीतना चाहिए। उन्होंने अभिनेता रणवीर शौरी के उस ट्वीट का भी जवाब दिया जिसमें उन्होंने राहुल गांधी का एक वीडियो पोस्ट किया था और कहा था, अच्छा है लेकिन क्या आप इस कदम को संभाल सकते हैं? कास्प्रोव ने

जवाब में लिखा, मुझे बहुत उम्मीद है कि मेरा छोटा सा मजाक भारतीय राजनीति में वकालत के लिए बेकार नहीं जाएगा। राजनेता मेरे प्रिय खेल में दखल दे रहे हैं।

आपको बता दें कि रायबरेली से राहुल गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि गांधी परिवार के गढ़ रायबरेली से राहुल गांधी को मैदान में उतारने के पार्टी के कदम ने भाजपा को भ्रमित कर दिया है। उन्होंने एक लंबे ट्रीट में कहा, राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की खबर पर कई लोगों की कई राय हैं। याद रखें वह राजनीति और शतरंज के अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने आगे लिखा, पार्टी नेतृत्व बहुत चर्चा के बाद और एक बड़ी रणनीति के तहत अपने फैसले लेता है। इस एक फैसले ने भाजपा, उसके समर्थकों और उसके चाटुकारों को भ्रमित कर दिया है।

आपको बता दें कि अभी दो दिन पहले राहुल गांधी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने शतरंज के खेल की तुलना राजनीति से की थी। वीडियो में राहुल ने बताया कि उन्होंने पहली बार शतरंज तब खेला था जब वह सात साल के थे और उस व्यक्ति को हराया था जिसने उन्हें खेल के नियम सिखाए थे। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उनके पसंदीदा शतरंज खिलाड़ियों में गैरी कास्प्रोव भी थे, जो कि अपने विरोधियों पर बहुत मनोवैज्ञानिक दबाव डालते हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू ने पत्नी की सर्जरी के बाद शेयर की तस्वीर, भावुक पोस्ट में कही ये बात

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी पत्नी की सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर किए हैं. सिद्धू की पत्नी डॉ.नवजोत कौर ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं जिनका दूसरी बार ऑपरेशन किया गया है. यह ऑपरेशन तब हुआ है जब पिछले साल नवंबर में ही उन्होंने खुद के कैंसर से मुक्त होने की घोषणा की थी. उधर, सिद्धू ने ऑपरेशन के बाद एक्स पर पत्नी के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, बेहद दुर्लभ बीमारी मेटास्टेसिस के लिए ऑपरेशन किया गया. यह साढ़े तीन घंटे तक चला. बीमारी से प्रभावित त्वचा को हटा दिया गया और फ्लैप के जरिए फिर से बनाया गया.

सिद्धू ने पत्नी को बताया साहसी

पत्नी की हिम्मत की तारीफ करते हुए सिद्धू ने लिखा, उसका संकल्प दृढ़ है. उसके चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहती है– इस साहस का नाम नोनी है. सिद्धू ने बताया कि उनका ऑपरेशन डॉ. रूपिंदर ने किया है जो उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद कर रहे हैं.

पिछले साल कैंसर होने का पता चला था

नवजोत कौर के कैंसर पीड़ित होने की जानकारी पिछले साल अप्रैल महीने में पता चली थी. वहीं, नवंबर में उन्होंने बताया था कि डॉक्टर ने उन्हें कैंसर मुक्त घोषित कर दिया है. नवजोत कौर ने भावुक होकर पोस्ट लिखा था कि मैं बहुत खुश हूं कि मेरे पीईटी स्कैन के अनुसार मुझे कैंसर मुक्त घोषित कर दिया गया है. इससे मेरे पूरे शरीर का अंग दान संभव हो गया है. वहीं, 4 अप्रैल को सिद्धू ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनकी पत्नी का ब्रेस्ट कैंसर का दूसरी बार ऑपरेशन होना है. उन्होंने बताया था कि यमुनानगर के डॉ. वरयम सिंह हॉस्पिटल में उनका ऑपरेशन होगा.

सुरक्षा घटाने से हुई सिद्धू मूसेवाला की हत्या

सिद्धू मूसेवाला मर्डर पर पंजाब सरकार का SC में कबूलनामा

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड को लेकर पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बड़ा कुबूलनामा किया है। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय ये स्वीकर किया है कि सुरक्षा घटाने की वजह से सिंगर की हत्या हुई।

भगवंत मान सरकार के इस कुबूलनामे से राज्य में सियासी हड़कंप मच गया है। मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह मान सरकार पर हमलावर हो गए हैं। इसके साथ ही विपक्ष के शिरोमणि अकाली दल ने भी गायक की हत्या को लेकर सरकार को घेरा है।

मूसेवाला के पिता ने क्या कहा?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार को अपने कबूलनामे के बाद उन लोगों के खिलाफ एफआईआर करनी चाहिए, जिनकी वजह से उनके बेटे की सुरक्षा को घटाया गया। इसके साथ ही उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ

कार्रवाई करने की मांग की और कहा कि एक न एक दिन सच जुबान पर आ ही जाता है। इस हत्याकांड में आरोपियों की भूमिका से ज्यादा पंजाब की सरकार की भूमिका है।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने डेढ़ साल पहले जेल से इंटरव्यू दिया, लेकिन भगवंत मान सरकार अभी तक कुछ भी पता नहीं लगा पाई है।

अकाली दल ने भी सरकार को घेरा

वहीं, शिरोमणि अकाली दल ने भी इस मामले को लेकर भगवंत मान सरकार को घेरा है। अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा है कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में सरकार के खिलाफ भी मामला दर्ज होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सुरक्षा वापस लेने के दो दिनों के अंदर ही सिंगर की हत्या कर दी जाती है। मूसेवाला के परिवार वाले भी इसी बात को कह रहे थे।

अकाली नेता ने कहा कि राज्य सरकार ने न सिर्फ सिंगर मूसेवाला की सुरक्षा को घटाया, बल्कि लॉरेंस बिश्नोई को जेल से इंटरव्यू देने की इजाजत भी दी। इससे यह बात साफ होती है कि सीएम भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब की कानून-व्यवस्था बेहद खराब हो चुकी है।

नहर में डूबने से 2 छात्रों की मौत

12वीं पास करने की खुशी में दोस्तों के साथ नहाने के लिए उतरे थे नहर में

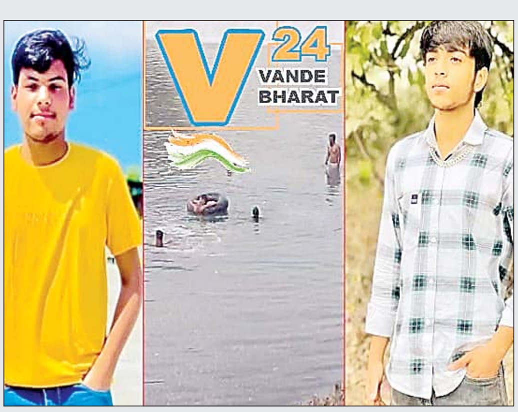

जालंधर (हिमांशु) : यमुनानगर जिले के प्रताप नगर इलाके में पश्चिमी यमुना नहर में नहाने गए 2 छात्रों की डूबने से मौत हो गई। एक छात्र का नाम कृष गुर्जर है तो दूसरे का मयंक सैनी है।

दोनों ही 12वीं क्लास में पढ़ते थे। बताया जा रहा है कि हाल ही में दोनों छात्रों का रिजल्ट आया था। रिजल्ट की खुशी मनाने के लिए अपने दोस्तों के साथ दोनों ने पहले शराब पी और फिर नहाने के लिए नीचे पश्चिमी यमुना नहर में उतर गए। लेकिन पानी की गहराई ज्यादा होने की वजह से वह वापस नहीं लौट पाए। उसके साथी दोस्तों ने उनके घर और पुलिस को इसकी सूचना दी।

इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। गोताखोर की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला गया।

इस दौरान मौके पर डीएसपी महावीर और प्रताप नगर थाना प्रभारी सतनाम समेत कई पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे। परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।

फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को यमुना नहर से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए यमुनानगर के सिविल अस्पताल भिजवा दिया है।

भारत को 'जेनोफोबिक' बताने वाले जो बाइडन को विदेशमंत्री जयशंकर ने दिखाया आईना, दिया ये जवाब!

जालंधर (हर्ष शर्मा) : भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने भारत और जापान को 'ज़ेनोफ़ोबिक' देश कहा था. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि भारत का समाज हमेशा अन्य समाजों के लोगों के लिए खुला रहा है. मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) मुसीबत में फंसे लोगों के लिए दरवाजे खोलता है. इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की तुलना रूस और चीन जैसे देशों के साथ करते हुए उसे एक 'ज़ेनोफ़ोबिक' देश बताया था. जेनोफ़ोबिक यानी ऐसे देश, जो आप्रवासियों को अपने देश में कतई नहीं चाहते या उनसे डर का माहौल पैदा किया जाता है.

जानिए CAA पर क्या बोले जो बाइडन?

दरअसल, बुधवार शाम को एक कार्यक्रम में एशियाई-अमेरिकी लोगों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि हम आप्रवासियों का स्वागत करते हैं. सोचिए कि क्यों चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह फंसा हुआ है? जापान को परेशानी क्यों हो रही है? रूस को क्यों परेशानी हो

रही है? भारत को क्यों परेशानी हो रही है? क्योंकि वे ज़ेनोफ़ोबिक हैं. वे आप्रवासी नहीं चाहते हैं. इंटरव्यू में जयशंकर ने भारत के नए नागरिकता संशोधन कानून का ज़िक्र करते हुए बताया कि भारत कैसे लोगों को स्वागत कर रहा है. उन्होंने कहा कि यही वजह कि भारत के पास सीएए कानून है जो मुश्किल में फंसे लोगों को भारत की नागरिकता देने का काम करता है. एस जयशंकर ने कहा कि %हमें उन लोगों के स्वागत के लिए तैयार रहना चाहिए, जिन्हें आने की ज़रूरत है और जिनका हक बनता है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीएए का विरोध करने वालों पर नाराजगी जाहिर की. उन्होंने कहा कि ऐसे लोग हैं जिन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि सीएए के होने से 10 लाख मुसलमान भारत में अपनी नागरिकता खो देंगे.

पश्चिमी मीडिया का एक हिस्सा बनाता है भारत को निशाना- जयशंकर

एस जयशंकर ने इंटरव्यू में बातचीत के दौरान कहा कि इन दावों के बावजूद किसी की भारत में नागरिकता नहीं गई है. उन्होंने कहा कि पश्चिमी मीडिया का एक हिस्सा ग्लोबल नैरेटिव को अपने हिसाब से चलाना चाहता है और इसी क्रम में वह भारत को निशाना बनाता है. उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं जिन्हें भरोसा है कि उन्हें इस नैरेटिव को कंट्रोल करना चाहिए.